# टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

**22R**

**संस्कृत विशारद (बी.ए.) – नियमित**

**परीक्षा : डिसेंबर – २०२३**

**सत्र ३ रे**

**विषय: वैदिकसूक्ते आणि ब्राह्मणे** (22R433)

**दिनांक :०७/१२/२०२३** **गुण : ६०** **वेळ : दु. २.०० ते दु. ४.३०**

**सूचना :** सर्व प्रश्न अनिवार्य

**प्र. १.** **चतुर्णांस टिप्पण मनुवादं लिखत।** **(२०)**

१) यस्य त्री पूर्णा मधुना पदान्यक्षीयमाणा स्वधया मदन्ति।
य उ त्रिधातु पृथिवीमुत द्यामेको दाधार भुवनानि विश्वा।

२) यस्मान्न ऋते विजयन्ते जनासो यं युध्यमाना अवसे हवन्ते।
यो विश्वस्य प्रतिमानं बभूव यो अच्युतच्युत्स जनास इन्द्रः।।

३) माकिर्नेशन्माकीं रिषन्माकीं सं शारि केवटे। अथारिष्टाभिरा गहि।।

४) विश्वंभरा वसुधानी प्रतिष्ठा हिरण्यवक्षा जगतो निवेशनी।
वैश्वानरं बिभ्रती भूमिरग्निमिन्द्रऋषभा द्रविणे नो दधातु।।

५) यस्यां पूर्वे पूर्वजना विचक्रिरे यस्यां देवा असुरानभ्यवर्तयन्।
गवामश्वानां वयसश्च विष्ठा भगं वर्चः पृथिवी नो दधातु।।

**प्र.२.** **टिप्पणीत्रयं लिखत।** **(२४)**

१) वरुणदेवता

२) नारदेण प्रोक्तं पुत्रमाहात्म्यम्

३) इन्द्रदेवता

४) आत्मविद्या

५) संज्ञानसूक्तम्

**प्र.३.** द्वौ ससन्दर्भं स्पष्टीकुरुत। (१६)

१) मत्स्य एव मत्स्यं गिलति।

२) तौ वा एतौ द्वौ संवर्गौ

३) चरैवेति ।